वेद प्रकाश यजुर्वेदी

श्री वी.पी.यजुर्वेदी का जन्म दि. 26 जनवरी 1957 को हुआ। उन्होंने आईआईटी रूड़की (पूर्व में रुड़की विश्वविद्यालय) से बीई (इलेक्ट्रिकल) और एमई (पावर सिस्टम इंजीनियरिंग) की उपाधियाँ प्राप्त कीं। उन्होंने आईआईएमएम अण्ड एम.पी. भोज विश्वविद्यालय, भोपाल से एमबीए (सामग्री प्रबंधन) की उपाधि प्राप्त की। श्री यजुर्वेदी ने दिसंबर, 1978 में भारतीय आयुध निर्माणी सेवा (आईओएफएस) में कार्यभार ग्रहण किया। आयुध निर्माणी बोर्ड और विभिन्न स्तर / पदों पर विभिन्न आयुध निर्माणियों की सेवा करने के बाद, वे रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी) के अध्यक्ष और महानिदेशक आयुध निर्माणी (डीजीओएफ), (भारत सरकार के सचिव पद के समकक्ष) के प्रतिष्ठित पद पर रहे।

सदस्य, ओएफबी और अध्यक्ष, ओएफबी (2014-17) के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, आयुध निर्माणियों की उत्पादन गतिविधियों को विकसित करने, उत्पादों में विविधता लाने और इसे बढ़ाने के लिए इनके द्वारा एक नई दिशा दी गई थी। इसके परिणामस्वरूप कई कारखानों का टर्न-अराउंड हुआ, जिसमें बड़ी मात्रा में उत्पादन की एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनी। नतीजतन, ओएफबी संगठन ने इस अवधि के दौरान उच्चतम वृद्धि हासिल की। उन्होंने आयुध निर्माणी बोर्ड के प्रोक्योरमेंट मैनुअल के पुन:लेखन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री यजुर्वेदी ने वर्ष 1996 से 2003 तक कल्याण आयुक्त (मुख्यालय) और निदेशक के रूप में श्रम और रोजगार मंत्रालय (एमओएल), भारत सरकार में भी कार्य किया और 2009 से 2013 तक एमओएल के शीर्ष स्तरीय राष्ट्रीय संस्थान वीवी गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान (वीवीजीएनएलआई) के महानिदेशक के रूप में कार्य किया। वे दि. 31 जनवरी 2017 को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हुए।

अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, श्री यजुर्वेदी ने 16 जुलाई 2019 से 15 जुलाई 2022 तक भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक के रूप में अपनी सेवाएँ दीं। इसमें उन्होंने लेखा परीक्षा समिति, सीएसआर समिति, नामांकन और पारिश्रमिक समिति और जोखिम प्रबंधन समिति के अध्यक्ष के कार्य भी सँभाले। वर्तमान में भी, वह स्फिंक्स वर्ल्डबिज लिमिटेड के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

इसके अलावा, उन्होंने दि. 09 जून 2020 से 08 जून 2023 तक भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के सीपीएसयू फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड में केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा नामित स्वतंत्र बाहरी अनुवीक्षक (आईईएम) के रूप में और 01 फरवरी 2021 से 31 जनवरी 2024 तक भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम नीपको लिमिटेड में भी अपनी सेवाएँ दीं। वर्तमान में, वे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और भारत सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम भारत डायनामिक्स लिमिटेड स्वतंत्र बाहरी अनुवीक्षक हैं।

38 से भी अधिक वर्ष की अपनी लंबी सेवाओं के दौरान, श्री यजुर्वेदी ने अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन और विभिन्न अन्य सम्मेलन, परामर्श और संगोष्ठियों में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने बड़े पैमाने पर त्रिपक्षीय आदान-प्रदान और अंतर-सरकारी समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने एशिया, यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के कई देशों की यात्रा की और पारस्परिक हित के मामलों पर 20 से भी अधिक विदेशी प्रतिनिधि मंडलों के साथ बातचीत की। उन्होंने विभिन्न पत्रिकाओं में श्रम मुद्दों पर कई शोधपरक लेख प्रकाशित किए हैं। श्री यजुर्वेदी के विशेष अध्ययन-क्षेत्रों में प्रशासन, औद्योगिक संबंध, सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोध, मानव संसाधन प्रबंधन, संपदा प्रबंधन, गन कैरिज, बख्तरबंद वाहन, गोला-बारूद, हवाई बम, गोले, ट्रूप कम्फर्ट आइटम, इन्वेंटरी प्रबंध, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, प्रावधान, निपटान, श्रम एवं औद्योगिक कानून, सामाजिक सुरक्षा, श्रम कल्याण, बाल श्रम, महिला श्रम, श्रम अनुसंधान आदि शामिल हैं।

एक जाने-माने कवि, श्री यजुर्वेदी ने विभिन्न पुस्तक और पत्रिकाओं के संपादन कार्यके अलावा "तुम कर दो संकेत", "सुगंध माटी की" और "ओएस अमर है" शीर्षक तीन हिंदी काव्य संग्रह भी प्रकाशित किए।

श्री वी.पी.यजुर्वेदी भारतीय सामग्री प्रबंधन संस्थान (आईआईएमएम) के आजीवन सदस्य हैं। उन्हें कंपनी प्रबंधन के क्षेत्र में उनके विशिष्ट कैरियर और सेवाओं के लिए कॉमनवेल्थ वोकेशनल यूनिवर्सिटी, किंगडम ऑफ टोंगा द्वारा फरवरी 2018 में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।